वित्तीय स्थिति
की
समीक्षा

वित्तीय वर्ष 2005–2006 के आय–व्ययक की समीक्षा गत वर्ष के बजट साहित्य में दी गई थी। वित्तीय वर्ष 2006–2007 के वास्तविक लेखे, वर्ष 2007–2008 के आय–व्ययक व पुनरीक्षित अनुमानों की समीक्षा व वर्ष 2008–2009 के आय–व्ययक की समीक्षा अगले पृष्ठों में दी गई है।

*****

वित्तीय स्थिति की समीक्षा

इस भाग में निम्नलिखित अनुमानों/वास्तविक आँकड़ों की संक्षिप्त समीक्षा की गई हैः–

(1) वर्ष 2006–2007 के वास्तविक आँकड़ों की तुलनात्मक समीक्षा उसी वर्ष (2006–2007) के आय–व्ययक अनुमानों से की गयी है,

(2) वर्ष 2007–2008 के पुनरीक्षित अनुमानों की तुलना उसी वर्ष (2007–2008) के आय–व्ययक अनुमानों से की गयी है, और

(3) वर्ष 2008–2009 के आय–व्ययक अनुमानों की तुलना वर्ष 2007–2008 के पुनरीक्षित अनुमानों से की गयी है।

2006–2007 का लेखा

नीचे दिये हुए विवरण–पत्र में 2006–2007 के लेखे संक्षेप में दिये गये हैः–

(करोड़ रूपयों में)

प्रभाग	मूल आय–व्ययक अनुमान 2006–2007		वास्तविक आँकड़े 2006–2007	
1	2		3	
प्रारम्भिक शेष	-110.42	**	104.07	*
1– समेकित निधि				
(1) प्राप्तियाँ–				
(क) राजस्व लेखे की प्राप्तियाँ	7440.53		7373.22	
(ख) पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ				
(i) ऋणों से प्राप्तियाँ #	2282.55		1904.36	
(ii) ऋणों और अग्रिमों की वसूलियाँ	179.65		19.50	
(iii) आकस्मिकता निधि का विनियोजन				
योग– (ख)– पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ	**2462.20**		**1923.86**	
योग, प्राप्तियाँ	**9902.73**		**9297.08**	
(2) व्यय–	7596.24		6476.82	
(क) राजस्व लेखे का व्यय				
(ख) पूँजी लेखे का व्यय				
(i) पूँजीगत परिव्यय	2535.71		1699.26	
(ii) ऋणों का प्रतिदान #	467.70		913.53	
(iii) ऋणों और अग्रिम	325.81		102.37	
योग– (ख)– पूँजी लेखे का व्यय	**3329.22**		**2715.16**	
योग, व्यय	**10925.46**		**9191.98**	
समेकित निधि में घाटा (-)/बचत (+)	-1022.73		105.10	
2– आकस्मिकता निधि (शुद्ध)	40.00		8.74	
3– लोक लेखा (शुद्ध)	551.27		-143.63	
समस्त लेन–देनों का शुद्ध परिणाम	-431.46		-29.79	
अंतिम शेष	-541.88		74.28	

* महालेखाकार के लेखों के अनुसार।

** भारतीय रिजर्ब बैंक के आंकड़ों के अनुसार

भारतीय रिजर्ब बैंक से अर्थोपाय अग्रिम की रु0 300.00 करोड़ की धनराशि आय–व्ययक अनुमान वर्ष 2006–07 तथा रु0 676.14 करोड़ की धनराशि वास्तविक आंकड़े वर्ष 2006–07 में सम्मिलित है।

वित्तीय वर्ष 2006–2007 के आय–व्ययक में कुल रू0 9902.73 करोड़ की प्राप्ति अनुमानित थी जिसमें राजस्व लेखे में रू0 7440.53 करोड़ तथा पूंजी लेखे में रू0 2462.20 करोड़ का अनुमान था। राजस्व लेखे की कुल अनुमानित प्राप्ति रू0 7440.53 करोड़ के सापेक्ष कुल वास्तविक प्राप्ति रू0 7373.22 करोड़ हुई है जो अनुमानित प्राप्ति से रू0 67.31 करोड़ कम है। राजस्व प्राप्ति में जो कमी परिलक्षित हो रही है वह मुख्यतः केन्द्र सरकार से सहायक अनुदान की मद में रू0 438.93 करोड़ की कमी तथा करेत्तर राजस्व में रू0 137.29 करोड़ की कमी के कारण है। पूंजी लेखे की कुल अनुमानित प्राप्ति रू0 2462.20 करोड़ के सापेक्ष रू0 1923.86 करोड़ की वास्तविक प्राप्ति हुई जो अनुमानित प्राप्ति से रू0 538.34 करोड़ कम है। पूंजी लेखे की मद में जो कमी परिलक्षित हो रही है वह राज्य सरकार की आन्तरिक ऋण की मद में रू0 348.73 करोड़, केन्द्रीय सरकार से कर तथा अग्रिम की मद में रू0 29.46 करोड़ तथा ऋणों और अगिमों की वसूलियों की मद में रू0 160.15 करोड़ की कम प्राप्ति के कारण है।

समग्र प्राप्ति के हिसाब से यह ज्ञात होता है कि वर्ष 2006–2007 में अनुमानित प्राप्ति से कुल रू0 605.65 करोड़ की प्राप्ति कम हुई है। राज्य सरकार की प्राप्तियों के प्रमुख स्रोत भारत सरकार से प्राप्त सहायता/ऋण, राज्य सरकार के स्वयं के कर एवं करेत्तर राजस्व हैं। वर्ष 2006–2007 के आय–व्ययक अनुमानों के सापेक्ष भारत सरकार से प्राप्त होने वाले केन्द्रीय करों में राज्य का अंश, केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान/ऋणों के वास्तविक ऑकड़ों के आधार पर स्थिति निम्न प्रकार हैः–

(करोड़ रूपयों में)

क्र0 सं0	मदें	आय–व्ययक अनुमान 2006–2007	वास्तविक आँकड़े 2006–2007	न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	प्रतिशत
1–	केन्द्रीय करों में राज्य का अंश	1065.28	1131.83	66.55	106.25
2–	केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान	3519.72	3080.79	-438.93	87.53
3–	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	49.55	20.08	-29.47	40.52
	योगः–	**4634.55**	**4232.70**	**-401.85**	**91.33**

उपरोक्त वास्तविक ऑकड़ों के आधार पर भारत सरकार से केन्द्रीय करों के हिस्सों के रूप में वर्ष 2006–2007 के मूल आय–व्ययक में अनुमानित कुल प्राप्ति रू0 1065.28 करोड़ के सापेक्ष रू0 1131.83 करोड की प्राप्ति हुई थी जो कि अनुमानित प्राप्ति से रू0 66.55 करोड़ अधिक है। केन्द्र सरकार से सहायता अनुदान की मद में रू0 3519.72 करोड़ के सापेक्ष रू0 3080.79 करोड़ की प्राप्ति हुई थी जो अनुमानित प्राप्ति से रू0 438.93 करोड़ कम है तथा केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम की मद में अनुमानित प्राप्ति रू0

49.55 करोड़ के सापेक्ष रू0 20.08 करोड़ की प्राप्ति हुई है जो कि अनुमानित प्राप्ति से रू0 29.47 करोड़ कम है। कुल मिलाकर भारत सरकार से प्राप्त होने वाली प्राप्तियों में रू0 393.02 करोड़ की कम प्राप्ति हुई।

उपरोक्त के अतिरिक्त राज्य सरकार के कर राजस्व की प्रमुख मदों में न्यूनाधिकतायें निम्न प्रकार थीः—

(करोड़ रूपयों में)

क्र0 सं0	मदें	आय—व्ययक अनुमान 2006—2007	वास्तविक आँकड़े 2006—2007	न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +/कमी -	प्रतिशत
1—	होटल प्राप्ति कर	3.87	4.55	0.68	117.57
2—	भू—राजस्व	9.75	15.42	5.67	158.15
3—	स्टाम्प तथा पंजीकरण फीस	328.27	546.32	218.05	166.42
4—	राज्य उत्पाद शुल्क	400.94	372.91	-28.03	93.01
5—	बिक्री/व्यापार कर	1158.84	1361.42	202.58	117.48
6—	वाहन कर	136.10	141.46	5.36	103.94
7—	विद्युतकर तथा शुल्क	27.59	66.19	38.60	239.91
8—	वस्तुओं तथा सेवाओं पर अन्य कर और शुल्क	6.06	5.50	-0.56	90.76
	योगः—	**2071.42**	**2513.77**	**442.35**	**121.35**

वर्ष 2006—2007 के अनुमानित स्वयं के कर राजस्व रू0 2071.42 करोड़ के सापेक्ष वास्तविक ऑकड़ों के अनुसार रू0 2513.77 करोड़ की प्राप्ति हुई जो कि अनुमानित प्राप्ति से रू0 442.35 करोड़ अधिक है। यह वृद्धि मुख्यतः बिक्री/व्यापार कर,, स्टाम्प तथा पंजीकरण फीस, विद्युत कर तथा भुल्क भू—राजस्व तथा वाहन कर की मदों में वृद्धि के कारण है। कर राजस्व में वास्तविक प्राप्ति कुल अनुमानित प्राप्ति के लक्ष्य का लगभग 121.35 प्रतिशत है। राज्य सरकार की समस्त प्राप्तियॉ, न्यूनाधिकतायें निम्नवत् परिलक्षित हो रही हैः—

(करोड़ रूपयों में)

क्र0 सं0	मदें	आय—व्ययक अनुमान 2006—2007	वास्तविक आँकड़े 2006—2007	न्यूनाधिकताएं वृद्धि +/कमी -	प्रतिशत
	राजस्व लेखा				
1—	कर राजस्व	2071.42	2513.77	442.35	121.35
2—	करेत्तर राजस्व	784.11	646.82	-137.29	82.49
3—	केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान	3519.72	3080.79	-438.93	87.53
4—	केन्द्रीय करों में राज्य का अंश	1065.28	1131.83	66.55	106.25
	योग—राजस्व लेखा	**7440.53**	**7373.21**	**-67.32**	**99.10**

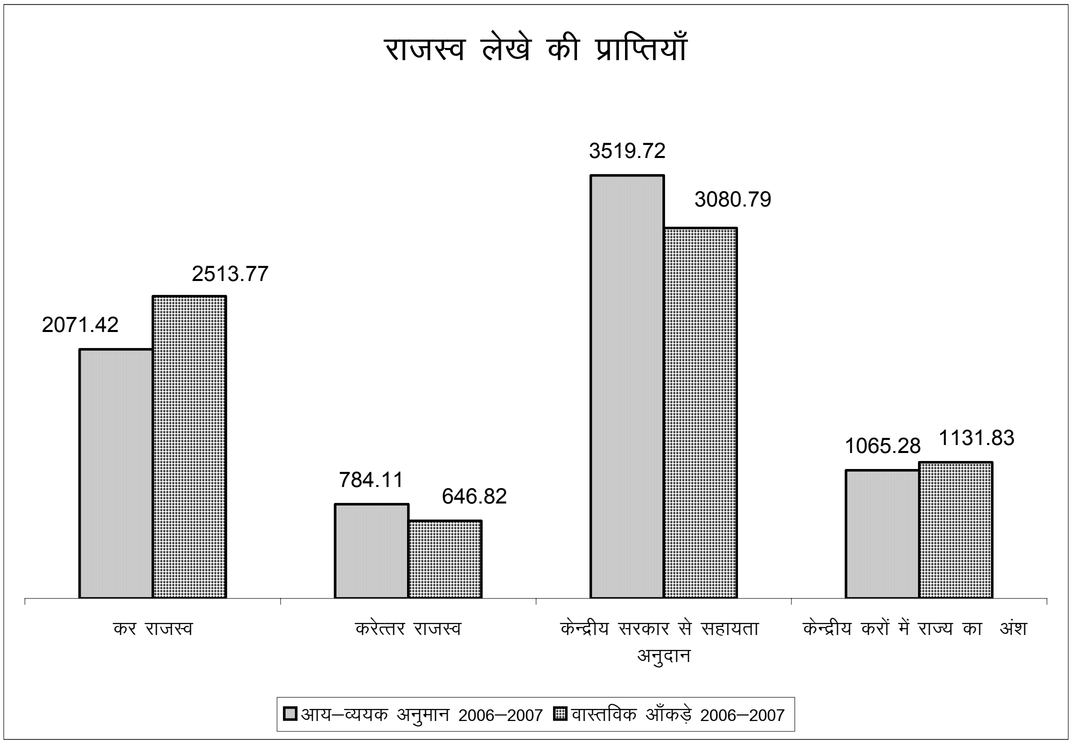

पूँजी लेखा

(करोड़ रूपयों में)

क्र0 सं0	मदें	आय–व्ययक अनुमान 2006–2007	वास्तविक आँकड़े 2006–2007	न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	प्रतिशत
	<u>पूँजीलेखा</u>				
1–	राज्य सरकार का आन्तरिक ऋण	2233.00	1884.27	-348.73	84.38
2–	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	49.55	20.09	-29.46	40.54
3–	ऋणों और अग्रिमों की वसूलियाँ	179.65	19.50	-160.15	10.85
	पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ	**2462.20**	**1923.86**	**-538.34**	**78.14**

पूंजी लेखे

पूंजी लेखे की प्राप्तियों में वर्ष 2006–07 के आय–व्ययक अनुमानों में रू0 2462.20 करोड़ की प्राप्ति अनुमानित थी जिसके सापेक्ष 2006–07 के वास्तविक आंकड़ों के अनुसार रू0 1923.86 करोड़ की प्राप्ति हुई है जो कि आय–व्ययक अनुमानों से रू0 538.34 करोड़ कम है तथा आय–व्ययक अनुमानों का 78.14 प्रतिशत है। पूंजी लेखे की प्राप्तियों में कमी का मुख्य कारण राज्य सरकार के आन्तरिक ऋण, केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा

अग्रिम तथा ऋणों और अग्रिमों की वसूलियों की मद में अनुमानित प्राप्ति का क्रमशः 84.38 प्रतिशत, 40.54 प्रतिशत तथा 10.85 प्रतिशत प्राप्ति के कारण है।

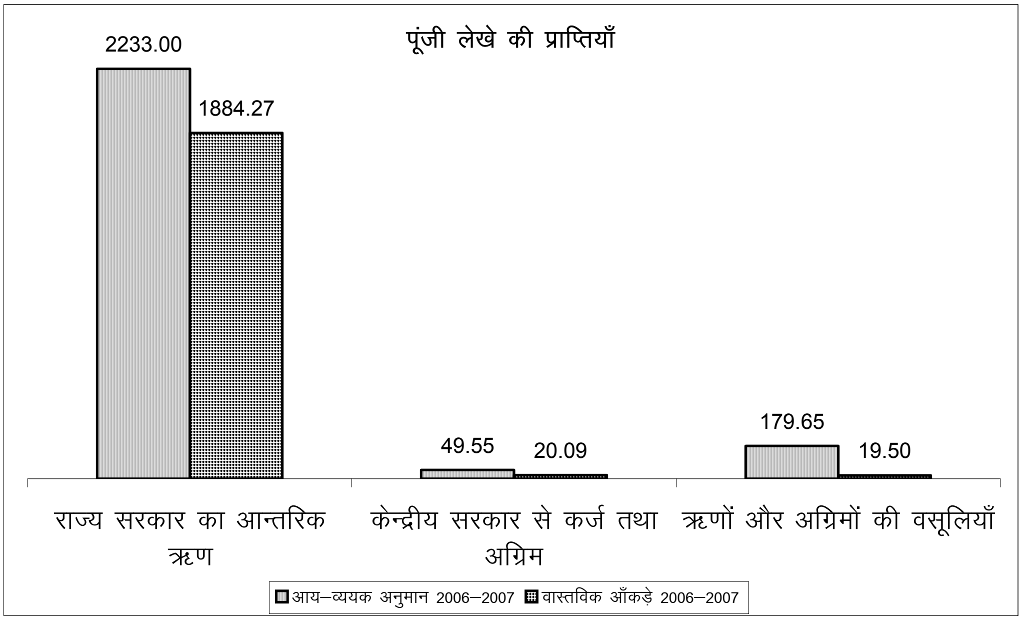

राजस्व लेखे का व्यय

वर्ष 2006–2007 के आय–व्ययक में राजस्व व्यय हेतु रू0 7596.24 करोड़ की व्यवस्था की गई थी जिसमें केन्द्रीय आयोजनागत योजनाओं, केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाओं और राज्य योजनागत योजनाओं के आयोजनागत पक्ष में रू0 2315.76 करोड़ रू0 तथा आयोजनेतर पक्ष में रू0 5280.49 करोड़ का व्यय अनुमानित था। किन्तु वर्ष 2006–07 के दौरान कुल रू0 6476.82 करोड़ रूपये का व्यय हुआ जिसमें आयोजनागत पक्ष रू0 1582.53 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष रू0 4894.31 करोड़ रूपये का व्यय हुआ। इस प्रकार कुल वास्तविक राजस्व व्यय अनुमानित व्यय से रू0 1119.39 करोड़ कम रहा। संक्षिप्त में स्थिति निम्न प्रकार रही:–

(करोड़ रूपयों में)

क्र0 सं0	मदें	आय–व्ययक अनुमान 2006–2007		वास्तविक आँकड़े 2006–2007		न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	
		आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1–	सामान्य सेवायें	2.99	2562.71	1.54	2375.86	-1.45	-186.85
2–	सामाजिक सेवायें	1458.74	1721.75	894.26	1560.67	-564.48	-161.08
3–	आर्थिक सेवायें	854.04	782.74	686.73	686.50	-167.31	-96.24
4–	सहायक अनुदान/अंशदान/ राज सहायता	0.00	213.29		271.28	0.00	57.99
	योग–राजस्व लेखा	**2315.77**	**5280.49**	**1582.53**	**4894.31**	**-733.24**	**-386.18**

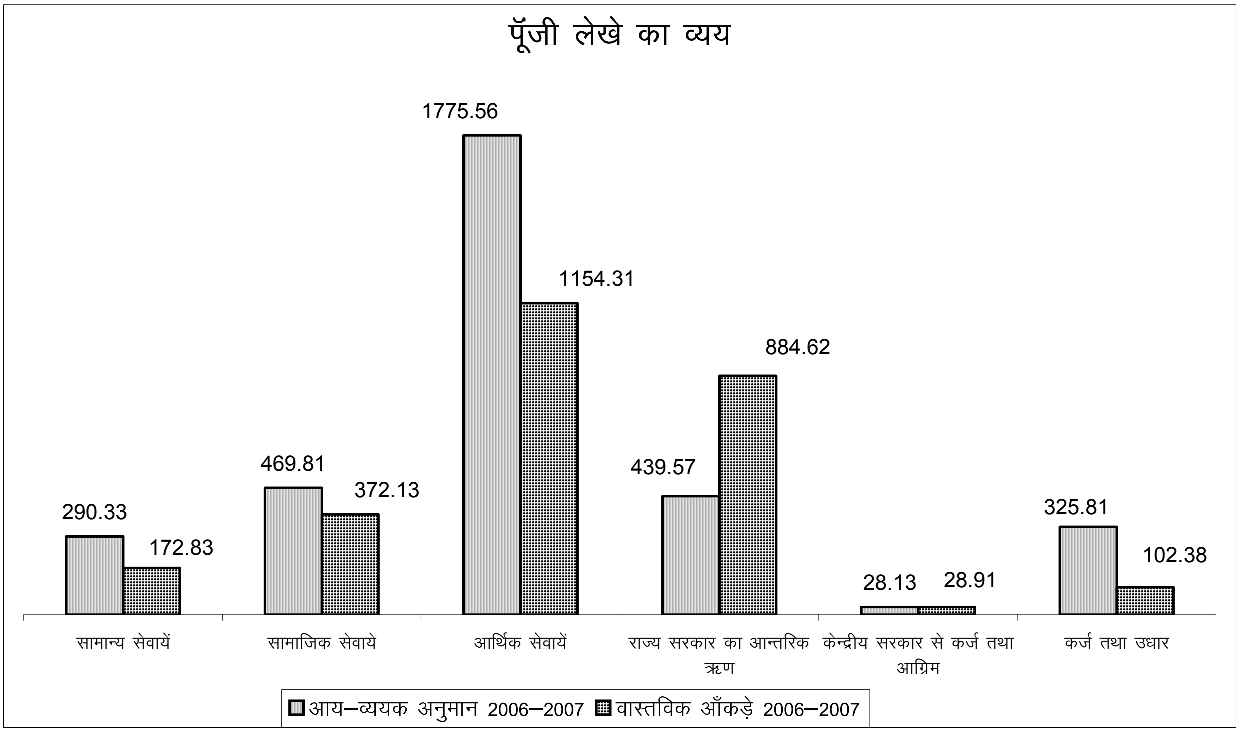

पूंजी लेखे का व्यय

वर्ष 2006–2007 के मूल आय–व्ययक के पूंजी लेखे का व्यय पक्ष में रू0 3329.22 करोड़ की व्यवस्था की गई थी, जिसमें आयोजनागत पक्ष में रू0 2708.96 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष में रू0 620.25 करोड़ की व्यवस्था थी, जिसके सापेक्ष वास्तविक व्यय रू0 2715.17 करोड़ रहा जिसमें आयोजनागत पक्ष में रू0 1716.23 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष में रू0 998.95 करोड़ रूपये रहा। इस प्रकार मूल अनुमानों की तुलना में व्यय रू0 614.05 करोड़ रूपये कम रहा।

उपर्युक्त व्यय में जो न्यूनाधिकतायें परिलक्षित हो रही है उसे निम्न सारणी द्वारा दर्शाया गया हैं।

(करोड़ रूपयों में)

क्र0 सं0	मदें	आय–व्ययक अनुमान 2006–2007		वास्तविक आँकड़े 2006–2007		न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	
		आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1–	सामान्य सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय	163.83	126.50	112.15	60.68	-51.68	-65.82
2–	सामाजिक सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय	459.31	10.50	370.86	1.27	-88.45	-9.23
3–	आर्थिक सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय	1775.56	0.00	1142.25	12.06	-633.31	12.06
	योगः– पूँजीगत परिव्यय	**2398.70**	**137.00**	**1625.26**	**74.01**	**-773.44**	**-62.99**

4—	राज्य सरकार के आन्तरिक ऋण	0.00	439.57		884.62	0.00	445.05
5—	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा आग्रिम	0.00	28.13		28.91	0.00	0.78
	योगः— लोक ऋण		**467.70**		**913.53**	**0.00**	**445.83**
6—	कर्ज तथा उधार	310.26	15.55	90.97	11.41	-219.29	-4.14
	योगः— पूँजी लेखा	**2708.96**	**620.25**	**1716.23**	**998.95**	**-992.73**	**378.70**

वर्ष 2006—2007 का वास्तविक व्यय रू0 9192.02 करोड था इसमें पूंजीगत व्यय रू0 2715.17 करोड़ रहा जो कुल व्यय का रू0 29.54 प्रतिशत था इसमें रू0 676.14 करोड़ रिजर्व बैंक इण्डिया से लिए गये अर्थोपाय अग्रिम के प्रतिदान से सम्बंधित है। यदि पूंजीगत व्यय में से अर्थोपाय को प्रतिदान की धनराशि को निकाल दिया जाये तो पूंजीगत व्यय का प्रतिशत मात्र 22.18 आता है। पूंजीगत लेखे की मुख्य मदों में सामान्य, सामाजिक, आर्थिक सेवाओं पर पूंजीगत परिव्यय के अतिरिक्त आंतरिक ऋणों का प्रतिदान, जिसमें बाजार ऋण भी सम्मिलित है, भारत सरकार से लिए गये ऋणों का प्रतिदान तथा अन्य कर्ज तथा उधार का प्रतिदान है जिसे निम्नांकित चार्ट द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

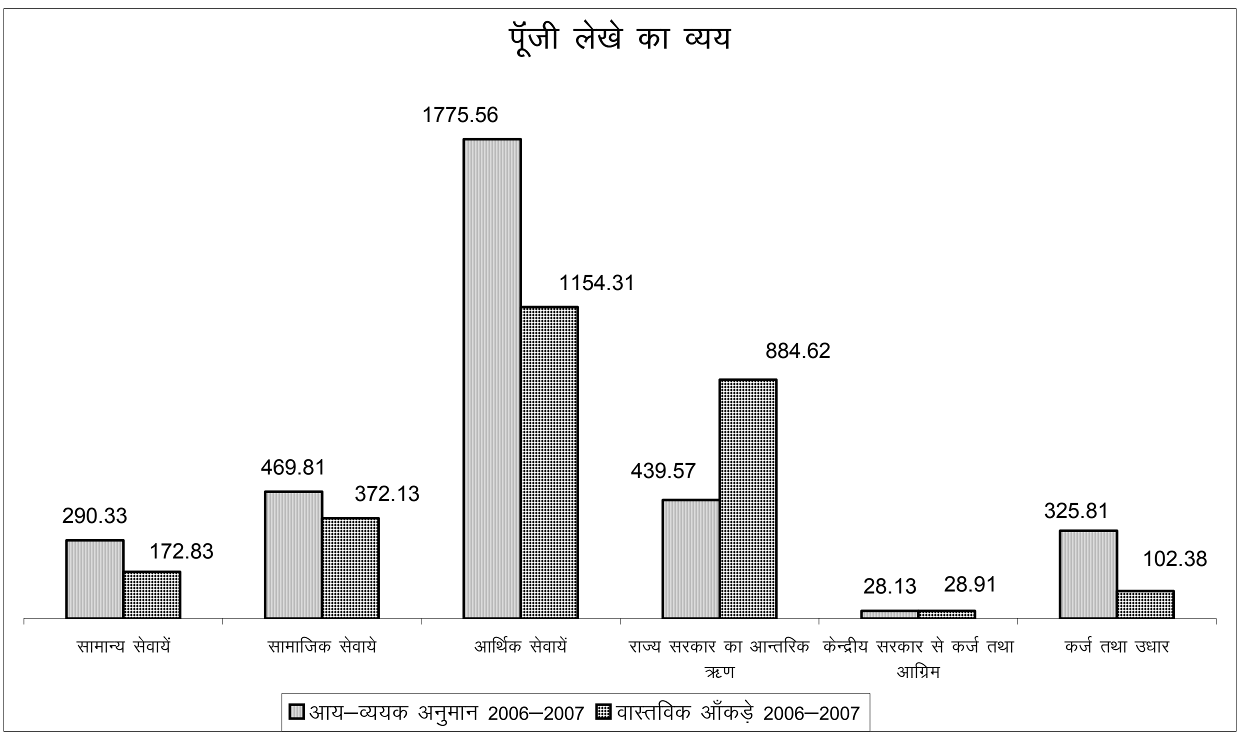

लोक लेखा

मुख्यतः लोक लेखा के अन्तर्गत लेन—देनों का सम्बन्ध राज्य सरकार द्वारा निर्मित ऋण शोधन निधियों के तथा विभिन्न निकायों के निवेशों और अन्य निवेशों आदि से है जिसके सम्बन्ध में राज्य सरकार ट्रस्टी एवं बैंकर के रूप में कार्य करती है। कुल रू0 551.27 करोड़ की मूलतः अनुमानित शुद्ध प्राप्ति की तुलना मे वर्ष में हुए लेन देनों के फलस्वरूप रू0 —143.63 करोड़ की शुद्ध प्राप्ति लेखे में प्रदर्शित है। जिसका प्रमुख कारण रोकड़ शेष निवेश लेखों के अन्तर्गत लगभग रू0 17640.10 करोड़ प्राप्तियों के विरूद्ध रू0 17783.73 संवितरण है।

समस्त लेन देन का शुद्ध परिणाम

मूल आय–व्ययक अनुमानों में वर्ष के समस्त लेन देनों का शुद्ध परिणाम रू0 431.46 करोड़ अनुमानित था। परन्तु वास्तविक आंकड़े के आधार पर यह घटकर रू0 –29.80 करोड़ रह गया और तद्नुसार वर्ष का रू0 104.07 करोड़ का वास्तविक प्रारम्भिक शेष वर्ष के अन्त में रू0 74.27 करोड़ हो गया है।वास्तविक आंकड़ों के अन्तर्गत प्रदर्शित सभी आंकड़े महालेखाकार के लेखों पर आधारित है।

पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008

निम्नलिखित विवरण–पत्र में पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008 की स्थिति का सारांश दिया गया है:–

(करोड़ रूपयों में)

मद	मूल आय–व्ययक अनुमान 2007–2008	पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008
1	2	3
प्रारम्भिक शेष	8.22	74.27 *
1– समेकित निधि		
(1) प्राप्तियाँ–		
(क) राजस्व लेखे की प्राप्तियाँ	9016.49	9261.84
(ख) पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ		
(i) ऋणों से प्राप्तियाँ #	1695.74	1695.74
(ii) ऋणों और अग्रिमों की वसूलियाँ	156.36	156.36
(iii) आकस्मिकता निधि का विनियोजन		
योग खः– पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ	**1852.10**	**1852.10**
योग– (1)– प्राप्तियाँ	**10868.60**	**11113.94**
(2) व्यय–		
(क) राजस्व लेखे का व्यय	8072.58	8155.12
(ख) पूँजी लेखे का व्यय		
(i) पूँजीगत परिव्यय	2377.37	2606.86
(ii) ऋणों का प्रतिदान #	495.16	495.16
(iii) ऋणों और अग्रिम	183.12	262.88
(iv) आकस्मिकता निधि का विनियोजन		
योग– (ख)– पूँजी लेखे का व्यय	3055.64	3364.90
योग,(2)–व्यय	11128.23	11520.02
समेकित निधि में घाटा (-)/बचत (+)	-259.63	-406.08
2– आकस्मिकता निधि (शुद्ध)	28.00	88.00
3– लोक लेखा (शुद्ध)	150.00	350.00
समस्त लेन–देनों का शुद्ध परिणाम	-81.63	31.92
अंतिम शेष	-73.41	106.19

* भारतीय रिजर्व बैंक के आँकड़ों के अनुसार।

भारतीय रिजर्व बैंक से अर्थोपाय अग्रिम की रु0 200 करोड़ की धनराशि आय–व्ययक अनुमान वर्ष 2007–08 तथा पुनरीक्षित अनुमान वर्ष 2007–08 में सम्मिलित है।

वर्ष 2007–2008 का लेखा

वित्तीय वर्ष 2007–2008 के आय–व्ययक में कुल रू0 10868.60 करोड़ की प्राप्ति का अनुमान लगाया गया था जिसमें राजस्व लेखे में रू0 9016.49 करोड़ तथा पूंजी लेखे में रू0 1852.10 करोड़ की प्राप्ति का अनुमान था। पुनरीक्षित अनुमानों के अनुसार कुल प्राप्ति रू0 11113.94 करोड़ अनुमानित है जिसमें राजस्व पक्ष में रू0 9261.84 करोड़ तथा पूंजी पक्ष में रू0 1852.10 करोड़ की प्राप्ति अनुमानित है। राज्य सरकार की प्राप्तियों के प्रमुख स्रोत भारत सरकार से प्राप्त सहायता/ऋण, राज्य सरकार के स्वयं के कर एवं करेत्तर राजस्व है। वर्ष 2007–2008 के आय–व्ययक अनुमानों के सापेक्ष भारत सरकार से प्राप्त होने वाले केन्द्रीय कर/शुल्क में अंश, सहायता/ऋण की पुनरीक्षित अनुमानों के आधार पर स्थिति निम्न प्रकार रहने की आशा हैः–

(करोड़ रूपयों में)

क्र0 सं0	मदें	आय–व्ययक अनुमान 2007–2008	पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008	न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	प्रतिशत
1–	केन्द्रीय करों में राज्य का अंश	1245.09	1339.31	94.22	107.57
2–	केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान	4142.61	4142.61	0.00	100.00
3–	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	64.41	64.41	0.00	100.00
	योगः–	**5452.11**	**5546.33**	**94.22**	**101.73**

उपरोक्त पुनरीक्षित प्राप्तियों के आधार पर भारत सरकार से केन्द्रीय करों में हिस्से के रुप में वर्ष 2007–08 के मूल आय–व्ययक में अनुमानित कुल रु0 1245.09 करोड़ के सापेक्ष रु0 1339.31 करोड़ है, जो कि केन्द्रीय करों में राज्य के अंश की मद में रू0 94.22 की वृद्धि परिलक्षित करता है। केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान के मद में अनुमानित प्राप्ति रु0 4142.61 करोड़ के सापेक्ष रु0 4142.61 करोड़ की प्राप्ति अनुमानित है तथा केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम की मद में अनुमानित प्राप्ति रु0 64.41 करोड़ के सापेक्ष पुनरीक्षित प्राप्ति रु0 64.41 करोड़ की हुई है, जो कि आय–व्ययक अनुमान के अनुसार है।

उपरोक्त के अतिरिक्त राज्य सरकार के कर राजस्व की प्रमुख मदों में अनुमानित न्यूनाधिकतायें निम्न प्रकार परिलक्षित हो रही है।

(करोड़ रूपयों में)

मदें		आय–व्ययक अनुमान 2007–2008	पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008	न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	प्रतिशत
1–	होटल प्राप्ति कर	4.72	4.72	0.00	100.00
2–	भू–राजस्व	20.62	20.62	0.00	100.00
3–	स्टाम्प तथा पंजीकरण फीस	465.66	465.66	0.00	100.00
4–	राज्य उत्पाद शुल्क	459.71	461.98	2.27	100.49
5–	बिक्री/व्यापार कर	1551.50	1688.20	136.70	108.81
6–	वाहन कर	170.00	170.00	0.00	100.00
7–	विद्युतकर तथा शुल्क	67.08	70.00	2.92	104.36
8–	वस्तुओं तथा सेवाओं पर अन्य कर और शुल्क	6.12	6.28	0.16	102.68
	योगः–	**2745.41**	**2887.46**	**142.05**	**105.17**

वर्ष 2007–08 के अनुमानित स्वयं के कर राजस्व रु0 2745.41 करोड़ के सापेक्ष पुनरीक्षित अनुमानों में रु0 2887.46 करोड़ प्राप्त होने का अनुमान है जो कि कुल प्राप्ति से रु0 142.05 करोड़ अधिक है। यह वृद्धि मुख्यतः बिक्री/वाणिज्य कर, विद्युत कर तथा शुल्क और राज्य उत्पाद शुल्क की मदों में वृद्धि के कारण है। कर राजस्व में पुनरीक्षित प्राप्ति कुल अनुमानित प्राप्ति के लक्ष्य का लगभग 105.17 प्रतिशत है।

राज्य सरकार की समग्र प्राप्तियॉ न्यूनाधिकताऍ निम्नवत् परिलक्षित हो रही है–

(करोड़ रूपयों में)

क्र0 सं0	मदें	आय–व्ययक अनुमान 2007–2008	पुनरीक्षित अनुमान 2007–08	न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	प्रतिशत
	<u>राजस्व लेखा</u>				
1–	कर राजस्व	2745.60	2888.46	142.86	105.20
2–	करेत्तर राजस्व	883.36	892.45	9.09	101.03
3–	केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान	4142.61	4142.61	0.00	100.00
4–	केन्द्रीय करों में राज्य का अंश	1245.09	1339.31	94.22	107.57
	राजस्व प्राप्तियाँ	**9016.66**	**9262.83**	**246.17**	**102.73**

वर्ष 2007–08 के राजस्व लेखे में रु0 9016.66 करोड़ के सापेक्ष पुनरीक्षित अनुमानों में रु0 9261.83 करोड़ प्राप्त होने का अनुमान है जो कि आय–व्ययक से रु0 245.17 करोड़ अधिक है। राजस्व लेखे में पुनरीक्षित प्राप्ति कुल अनुमानित प्राप्ति के लक्ष्य का 102.72 प्रतिशत है। राजस्व लेखे की मद में जो अधिक परिलक्षित हो रही है वह मुख्यतः कर राजस्व, करेत्तर राजस्व तथा केन्द्रीय करों में राज्य के अंश की मद में क्रमशः रू0 142. 04,9.09 तथा 94.22 करोड़ अधिक प्राप्ति के कारण है।

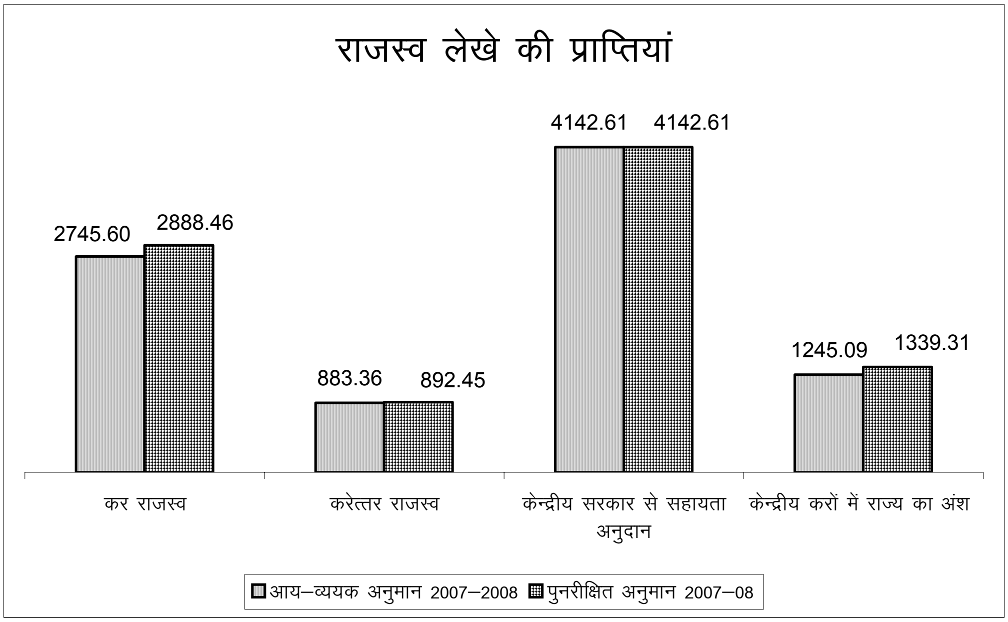

पूंजी लेखे की प्राप्तियॉ

वर्ष 2007–08 के पूँजी लेखे के पुनरीक्षित अनुमानों में आय–व्ययक 2007–08 के अनुसार ही प्राप्ति का होना अनुमानित है। भारतीय रिजर्व बैंक की अर्थोपाय अग्रिम की रू0 200 करोड़ रूपये की धनराशि आय–व्ययक अनुमान, तथा पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008 में सम्मिलित है।

(करोड़ रूपयों में)

क्र0 सं0	मदें	आय–व्ययक अनुमान 2007–2008	पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008	न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	प्रतिशत
	<u>पूँजीलेखा</u>				
1–	राज्य सरकार का आन्तरिक ऋण	1631.33	1631.33	0.00	100.00
2–	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	64.41	64.41	0.00	100.00
3–	ऋणों और अग्रिमों की वसूलियाँ	156.36	156.36	0.00	100.00
	पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ	**1852.10**	**1852.10**	**0.00**	**100.00**

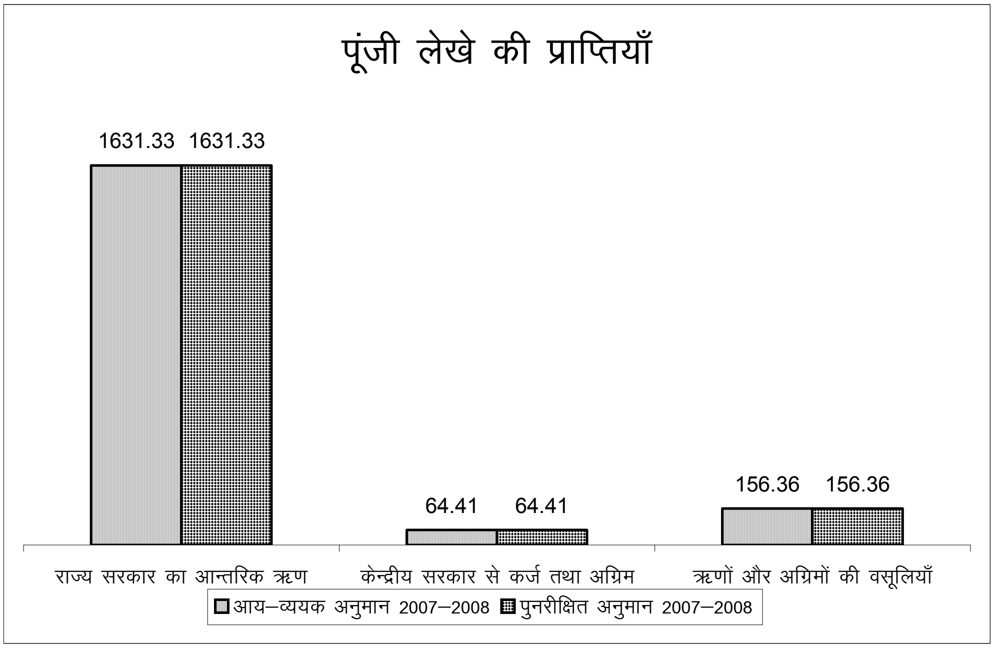

राजस्व लेखे का व्यय

वर्ष 2007–2008 के आय–व्ययक में राजस्व व्यय हेतु रु0 8072.58 करोड़ की व्यवस्था की गई थी जिसमें केन्द्रीय आयोजनागत योजनाओं, केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाओं और राज्य योजनागत योजनाओं के आयोजनागत पक्ष में रू0 2319.15 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष में रू0 5753.43 करोड़ के सापेक्ष वर्ष 2007–2008 के पुनरीक्षित अनुमानों में रु0 8155.12 करोड़ का व्यय अनुमानित है जिसमें आयोजनागत पक्ष में रू0 2366.49 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष में रू0 5788.64 करोड़ का व्यय अनुमानित है। इस प्रकार पुनरीक्षित अनुमानों में वर्ष 2007–2008 के आय–व्ययक अनुमानों के सापेक्ष रु0 82.55 करोड़ का अधिक व्यय होना अनुमानित है। संक्षेप में स्थिति निम्न प्रकार रही:–

(करोड़ रूपयों में)

क्र0 सं0	मदें	आय–व्ययक अनुमान 2007–2008		पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008		न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	
		आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1–	सामान्य सेवायें	7.32	2806.78	8.17	2893.74	0.85	86.96
2–	सामाजिक सेवायें	1486.23	1830.18	1425.77	1777.47	-60.46	-52.71
3–	आर्थिक सेवायें	825.60	792.92	932.55	801.25	106.95	8.33
4–	सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता		323.55		316.18	0.00	-7.37
	योग–राजस्व लेखा	**2319.15**	**5753.43**	**2366.49**	**5788.64**	**47.34**	**35.21**

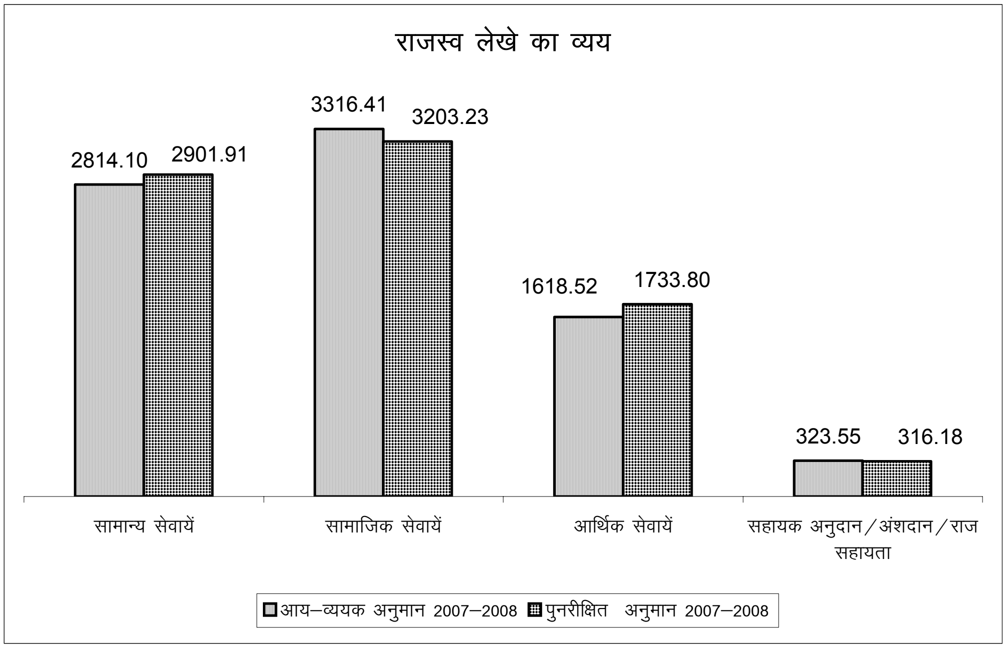

पूंजी लेखे का व्यय

वर्ष 2007–2008 के मूल आय–व्ययक में पूंजीगत पक्ष में रू0 3055.64 करोड़ की व्यवस्था थी जिसमें आयोजनागत पक्ष में रू0 2468.93 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष में रू0 586.71 करोड़ की व्यवस्था की गई थी। चालू वर्ष के बजट तथा पुनरीक्षित अनुमानों में रू0 200 करोड़ के अर्थोपाय अग्रिम की धनराशि भी सम्मिलित है, जिसके सापेक्ष पुनरीक्षित अनुमान रू0 3364.90 करोड़ हैं जिसमें आयोजनागत पक्ष में रू0 2754.90 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष में रू0 610 करोड़ व्यय अनुमानित है। आयोजनागत पक्ष में रू0 285.97 करोड़ व्यय की अधिकता तथा आयोजनेतर पक्ष में रू0 23.29 करोड़ की व्यय में वृद्धि अनुमानित है। इस प्रकार कुल रू0 309.26 करोड़ की वृद्धि सम्भावित है। इस स्थिति को निम्नांकित तालिका द्वारा दर्शाया गया हैं:–

(करोड़ रूपयों में)

क्र0 सं0	मदें	आय–व्ययक अनुमान 2007–2008		पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008		न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	
		आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1–	सामान्य सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय	146.17	65.29	159.30	70.29	13.13	5.00
2–	सामाजिक सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय	440.61	0.45	522.02	0.45	81.41	0.00
3–	आर्थिक सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय	1724.83	0.01	1836.50	18.30	111.67	18.29
	योगः– पूँजीगत परिव्यय	**2311.61**	**65.75**	**2517.82**	**89.04**	**206.21**	**23.29**

राज्य सरकार के

आन्तरिक ऋण

5–	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा आग्रिम	0.00	29.04		29.04	0.00	0.00
	योगः– लोक ऋण	0.00	495.16		495.16	0.00	0.00
6–	कर्ज तथा उधार	**157.32**	**25.80**	**237.08**	**25.80**	**79.76**	**0.00**
	योगः– पूँजी लेखा	2468.93	586.71	2754.90	610.00	285.97	23.29

वर्ष 2007–2008 में व्यय का पुनरीक्षित अनुमान रू0 11520.02 करोड़ का है जिसमें पूंजीगत व्यय रू0 3364.90 करोड़ रहा जो कुल व्यय का 29.21 प्रतिशत है, जिसमें से रू0 200.00 करोड़ भारतीय रिजर्व बैंक से लिए गये अर्थोपाय के प्रतिदान से सम्बंधित है। यदि पूंजीगत व्यय में से अर्थोपाय के प्रतिदान की धनराशि को निकाल दिया जाये तो पूंजीगत व्यय का प्रतिशत मात्र 27.47 आता है। पूंजीगत लेखे की मुख्य मदों में सामान्य, सामाजिक, आर्थिक सेवाओं पर पूंजीगत परिव्यय के अतिरिक्त आंतरिक ऋणों का प्रतिदान, जिसमें बाजार ऋण भी सम्मिलित है, भारत सरकार से लिए गये ऋणों का प्रतिदान तथा अन्य कर्ज तथा उधार के प्रतिदान सम्मिलित है जिसे निम्नांकित चार्ट द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

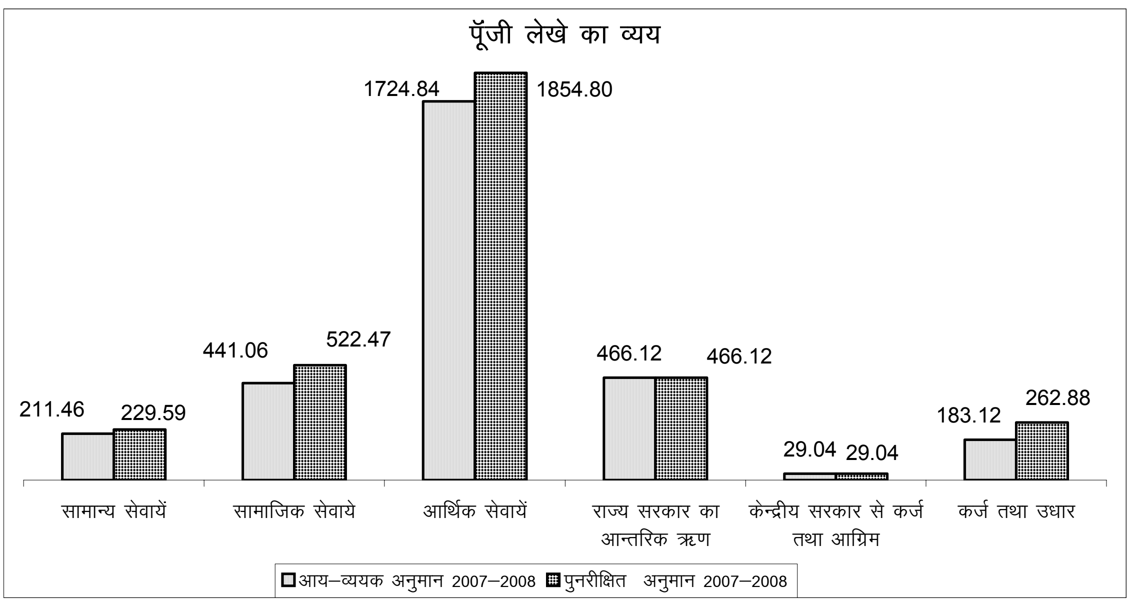

लोक लेखा

मुख्यतः लोक लेखा के अन्तर्गत लेन–देनों का सम्बन्ध राज्य सरकार द्वारा निर्मित ऋण शोधन निधियों के तथा विभिन्न निकायों के निवेशों और अन्य निवेशों आदि के, जिसके सम्बन्ध में राज्य सरकार ट्रस्टी एवं बैंकर के रूप में कार्य करती है, से है। कुल रू0 150 करोड़ आय–व्ययक अनुमान के सापेक्ष रू0 350 करोड़ की शुद्ध प्राप्ति अनुमानित है।

समस्त लेन देन का शुद्ध परिणाम

मूल आय–व्ययक अनुमानों में वर्ष के समस्त लेन देनों का शुद्ध परिणाम रू0 –81.63 करोड़ अनुमानित था। पुनरीक्षित अनुमानों के आधार पर यह बढ़कर रू0 31.92 करोड़ है तथा अन्तिम शेष रू0 106.19 करोड़ अनुमानित है।

आय–व्ययक 2008–2009

निम्नलिखित विवरण–पत्र में आय–व्ययक अनुमान 2008–2009 की स्थिति का सारांश दिया गया है:–

(करोड़ रूपयों में)

मद	आय–व्ययक अनुमान 2007–2008	पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008	आय–व्ययक अनुमान 2008–2009
1	2	3	4
प्रारम्भिक शेष	8.22	74.27 *	106.19
1– समेकित निधि			
(1) प्राप्तियाँ–			
(क) राजस्व लेखे की प्राप्तियाँ	9016.49	9261.84	10456.56
(ख) पूँजी लखे की प्राप्तियाँ			
(i) ऋणों से प्राप्तियाँ #	1695.74	1695.74	1395.58
(ii) ऋणों और अग्रिमों की वसूलियाँ	156.36	156.36	260.24
(iii) आकस्मिकता निधि का विनियोजन			
योग खः– पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ	1852.10	1852.10	1655.82
योग– (1)– प्राप्तियाँ	10868.60	11113.94	12112.38
(2) व्यय–			
(क) राजस्व लेखे का व्यय	8072.58	8155.12	8662.53
(ख) पूँजी लखे का व्यय			
(i) पूँजीगत परिव्यय	2377.37	2606.86	2802.45
(ii) ऋणों का प्रतिदान #	495.16	495.16	569.22
(iii) ऋण और अग्रिम	183.12	262.88	407.12
(iv) आकस्मिकता निधि का विनियोजन			
योग– (ख)– पूँजी लेखे का व्यय	3055.64	3364.90	3778.79
योग,(2)–व्यय	11128.23	11520.02	12441.32
समेकित निधि में घाटा (-)/बचत (+)	-259.63	-406.08	-328.94
2– आकस्मिकता निधि (शुद्ध)	28.00	88.00	35.00
3– लोक लेखा (शुद्ध)	150.00	350.00	250.00
समस्त लेन–देनों का शुद्ध परिणाम	-81.63	31.92	-43.94
अंतिम शेष	-73.41	106.19	62.25

* भारतीय रिजर्व बैंक के आँकड़ों के अनुसार।

भारतीय रिजर्व बैंक से अर्थोपाय अग्रिम की रु0 200 करोड़ की धनराशि सम्मिलित है।

वित्तीय वर्ष 2008–2009 के आय–व्ययक में कुल रू0 12112.38 करोड़ की प्राप्ति का अनुमान लगाया गया है जिसमें राजस्व लेखे में रू0 10456.56 करोड़ तथा पूंजीलेखे में रू0 1655.82 करोड़ की प्राप्ति का अनुमान है। यह प्राप्ति वर्ष 2007–2008 के पुनरीक्षित अनुमान से रू0 998.44 करोड़ अधिक है। राजस्व पक्ष में पुनरीक्षित अनुमानों की तुलना में बजट वर्ष में रू0 1194.72 करोड़ की वृद्धि अनुमानित है जिसमें राज्य के स्वयं के कर राजस्व में रू0 232.29 करोड़ की वृद्धि, केन्द्रीय करों में राज्यांश की मद में रू0 340.58 करोड़ की वृद्धि, केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान में रू0 617.06 करोड़ की वृद्धि तथा करेत्तर राजस्व में रू0 4.78 करोड़ की वृद्धि अनुमानित है। पूंजीगत प्राप्तियों में पुनरीक्षित अनुमानों की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में रू0 196.28 करोड़ की कमी परिलक्षित हो रही है। यह कमी मुख्य रूप से ऋणों की प्राप्तियों की मद में राज्य सरकार का आन्तरिक ऋण, केन्द्र सरकार से कर्ज तथा अग्रिम की मद में कम प्राप्तियों की सम्भावना के कारण है।

वर्ष 2007–2008 के पुनरीक्षित अनुमानों की तुलना में भारत सरकार से प्राप्त होने वाले केन्द्रीय कर/शुल्क में अंश/सहायता/ऋण की धनराशि में न्यूनाधिकतायें निम्नवत अनुमानित है।

(करोड़ रूपयों में)

क्र0 सं0	मदें	पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008	आय–व्ययक अनुमान 2008–2009	न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	प्रतिशत
1–	केन्द्रीय करों में राज्य का अंश	1339.31	1679.90	340.58	125.43
2–	केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान	4142.61	4759.67	617.06	114.90
3–	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	64.41	29.31	-35.10	45.51
	योगः–	**5546.33**	**6468.87**	**922.54**	**116.63**

भारत सरकार से प्राप्त संकेतों के अनुसार भारत सरकार से केन्द्रीय करों में राज्यांश में कुल रू0 1339. 31 करोड़ रूपये की धनराशि वर्ष 2007–2008 के पुनरीक्षित अनुमान के सापेक्ष वर्ष 2008–09 के आय–व्ययक में रू0 1679.90 करोड़ अनुमानित है, जो कि पुनरीक्षित अनुमान से रु0 340.58 करोड़ अधिक है। केन्द्र सरकार से सहायता अनुदान में रू0 617.06 करोड़ की वृद्धि है। यह वृद्धि मुख्यतः नई वाह्यसहायतित योजनाओं के सम्मिलित होने के कारण है। उपरोक्त के अतिरिक्त राज्य सरकार के कर राजस्व की प्रमुख मदों में न्यूनाधिकतायें निम्न प्रकार अनुमानित हैः–

(करोड़ रूपयों में)

क्र0 सं0	मदें	पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008	आय–व्ययक अनुमान 2008–2009	न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	प्रतिशत
1–	होटल प्राप्ति कर	4.72	6.34	1.62	134.32
2–	भू–राजस्व	20.62	31.43	10.81	152.44
3–	स्टाम्प तथा पंजीकरण फीस	465.66	485.04	19.38	104.16
4–	राज्य उत्पाद शुल्क	461.98	501.00	39.02	108.45
5–	बिक्री / व्यापार कर	1688.20	1849.50	161.30	109.55
6–	वाहन कर	170.00	175.54	5.54	103.26
8–	विद्युतकर तथा शुल्क	70.00	64.60	-5.40	92.29
9–	वस्तुओं तथा सेवाओं पर अन्य कर और शुल्क	6.28	6.30	0.01	100.21
	योगः–	**2887.46**	**3119.75**	**232.29**	**108.04**

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि राज्य के स्वयं के कर राजस्व में 2007–2008 के पुनरीक्षित अनुमानों की तुलना में 2008–2009 के आय–व्ययक अनुमानों में रु0 232.29 करोड़ की वृद्धि का अनुमान है जो कि पुनरीक्षित अनुमानों से लगभग 108.04 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि मुख्यतः ब्रिकी / व्यापार कर, स्टाम्प तथा पंजीकरण फीस, राज्य उत्पाद शुल्क, वाहन कर, भू–राजस्व, तथा शुल्क तथा होटल प्राप्ति कर इत्यादि की मद में वृद्धि के कारण है। राज्य सरकार के समग्र राजस्व प्राप्तियों की न्यूनाधिकतायें निम्नवत अनुमानित हैः–

(करोड़ रूपयों में)

क्र0 सं0	मदें	पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008	आय–व्ययक अनुमान 2008–2009	न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	प्रतिशत
1–	केन्द्रीय करों में राज्य का अंश	1339.31	1679.90	340.58	125.43
2–	केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान	4142.61	4759.67	617.06	114.90
3–	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	64.41	29.31	-35.10	45.51
	योगः–	**5546.33**	**6468.87**	**922.54**	**116.63**

राजस्व लेखें में वर्ष 2007–08 के पुनरीक्षित अनुमानों में रु0 9261.84 करोड़ की प्राप्तियॉ अनुमानित हैं जिसके सापेक्ष वर्ष 2008–09 के आय–व्ययक में रु0 10456.56 करोड़ की प्राप्ति अनुमानित है जो कि पुनरीक्षित अनुमानों से रु0 1194.72 करोड़ अधिक है जो कि पुनरीक्षित अनुमानों का 112.90 प्रतिशत है।

क्र0 सं0	मदें	पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008	आय–व्ययक अनुमान 2008–2009	न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	प्रतिशत
	<u>राजस्व लेखा</u>				
1–	कर राजस्व	2887.46	3119.75	232.29	108.04
2–	करेत्तर राजस्व	892.45	897.23	4.78	100.54
3–	केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान	4142.61	4759.67	617.06	114.90
4–	केन्द्रीय करों में राज्य का अंश	1339.31	1679.90	340.59	125.43
	राजस्व प्राप्तियाँ	**9261.83**	**10456.55**	**1194.72**	**112.90**

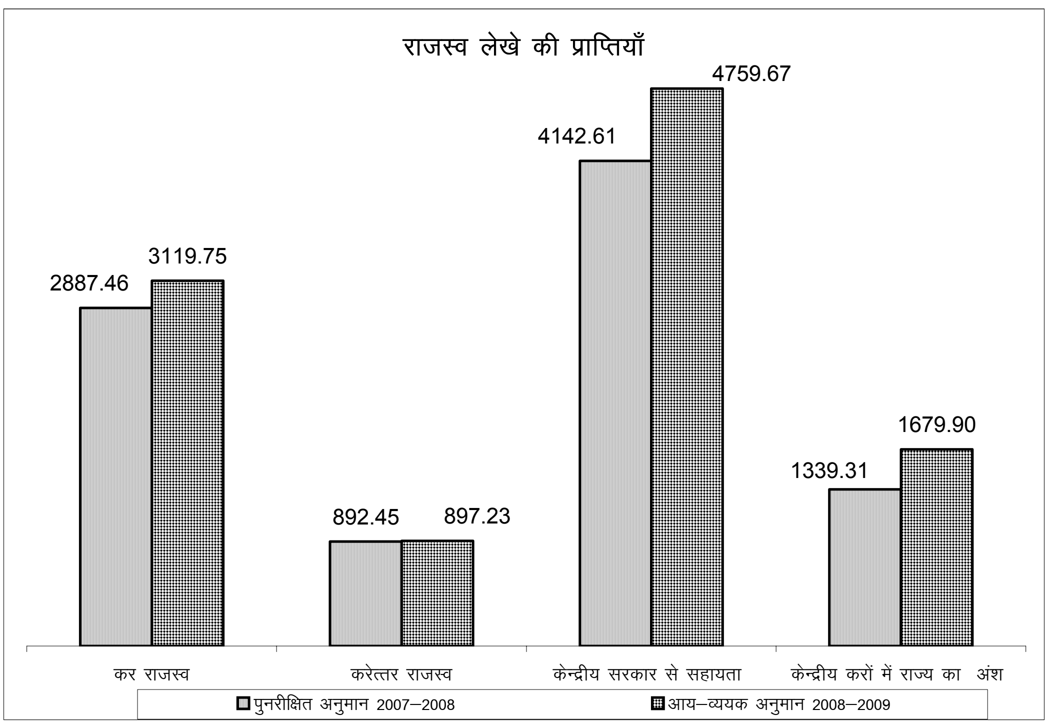

पूंजी लेखे की प्राप्तियां :–राज्य सरकार की पूंजी लेखे की न्यूनाधिकतायें निम्नवत अनुमानित हैः–

(करोड़ रूपयों में)

क्र0 सं0	मदें	पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008	आय–व्ययक अनुमान 2008–2009	न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	प्रतिशत
	<u>पूँजीलेखा</u>				
1–	राज्य सरकार का आन्तरिक ऋण	1631.33	1366.27	-265.06	83.75
2–	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	64.41	29.31	-35.10	45.51
3–	ऋणों और अग्रिमों की वसूलियाँ	156.36	260.24	103.88	166.44
	पूँजी लेखे की प्राप्तियाँ	**1852.10**	**1655.82**	**-196.28**	**89.40**

पूंजी लेखे की प्राप्तियों में वर्ष 2007–08 के पुनरीक्षित अनुमानों में रू0 1852.10 करोड़ की प्राप्ति अनुमानित है तथा 2008–09 के आय–व्ययक में रू0 1655.82 करोड़ की प्राप्ति अनुमानित हैं जो कि पुनरीक्षित अनुमानों से 196.28 करोड़ कम है तथा पुनरीक्षित अनुमानों का 89.40 प्रतिशत है।

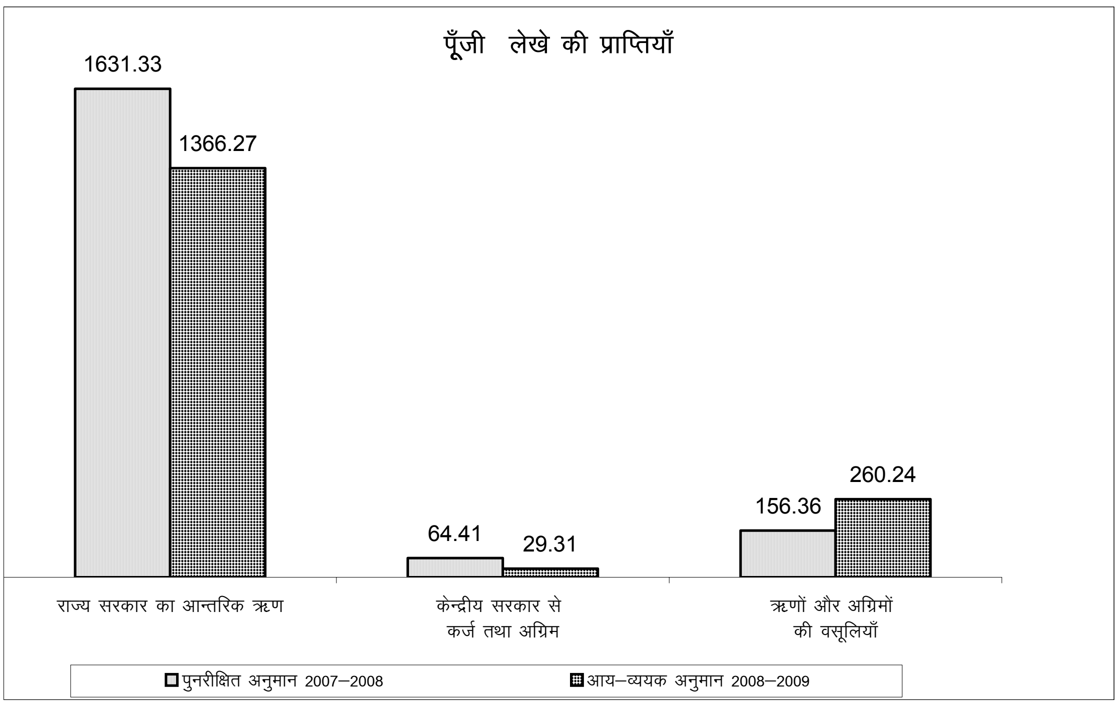

राजस्व लेखे का व्यय

वर्ष 2007–2008 के पुनरीक्षित अनुमानों के अनुसार राजस्व व्यय रू0 8155.12 करोड़ अनुमानित है जिसमें केन्द्रीय आयोजनागत योजनाओं, केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाओं और राज्य योजनागत योजनाओं हेतु आयोजनागत पक्ष में रू0 2366.49 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष में रू0 5788.64 करोड़ का व्यय अनुमानित है। वर्ष 2008–2009 में राजस्व लेखे का व्यय रू0 8662.53 करोड़ अनुमानित है जिसमें आयोजनागत पक्ष में रू0 2515.69 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष में रू0 6146.84 करोड़ अनुमानित है। इस प्रकार वर्ष 2007–2008 के पुनरीक्षित अनुमानों के सापेक्ष वर्ष 2008–2009 में लगभग रू0 507.40 करोड अधिक का व्यय अनुमानित हैं। सेक्टरवार स्थिति निम्नवत है:–

(करोड़ रूपयें में)

क्र0 सं0	मदें	पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008		आय–व्ययक अनुमान 2008–2009		न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	
		आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1–	सामान्य सेवायें	8.17	2893.74	5.90	3013.28	-2.27	119.54
2–	सामाजिक सेवायें	1425.77	1777.47	1653.87	1917.11	228.10	139.64
3–	आर्थिक सेवायें	932.55	801.25	855.92	873.91	-76.63	72.66
4–	सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	0.00	316.18		342.53	0.00	26.35
	योग–राजस्व लेखा	2366.49	5788.64	2515.69	6146.84	149.20	358.20

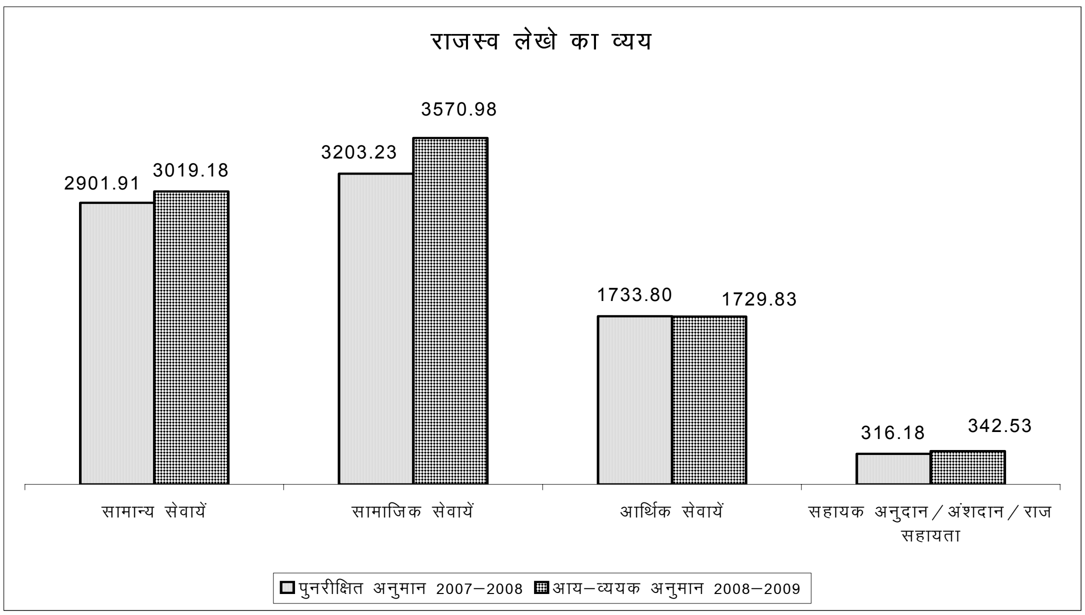

पूंजी लेखे का व्यय

वर्ष 2007–2008 के पुनरीक्षित अनुमानों में पूंजी लेखे के व्यय में रू0 3364.90 करोड़ का व्यय अनुमानित है जिसमें आयोजनागत पक्ष में रू0 2754.90 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष रू0 610 करोड़ का अनुमान है। वित्तीय वर्ष 2008–09 में कुल रू0 3778.79 करोड़ का व्यय अनुमानित है जिसमें आयोजनागत पक्ष में रू0 3157.03 करोड़ तथा आयोजनेतर पक्ष में रू0 621.76 करोड़ अनुमानित है। आयोजनागत पक्ष में रू0 402.13 करोड़ की वृद्धि तथा आयोजनेत्तर पक्ष में रू0 11.76 करोड़ की वृद्धि सम्भावित है। इस प्रकार वित्तीय वर्ष

2008–09 में कुल रू0 413.89 करोड़ का अधिक व्यय अनुमानित है। इस स्थिति को निम्नांकित तालिका द्वारा दर्शाया गया हैः–

(करोड़ रूपयें में)

क्र0 सं0	मदें	पुनरीक्षित अनुमान 2007–2008		आय–व्ययक अनुमान 2008–09		न्यूनाधिकताऐं वृद्धि +@deh -	
		आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1–	सामान्य सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय	159.30	70.29	187.67	39.49	28.37	-30.81
2–	सामाजिक सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय	522.02	0.45	432.43	0.50	-89.59	0.05
3–	आर्थिक सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय	1836.50	18.30	2140.36	2.00	303.86	-16.30
	योगः–पूँजीगत परिव्यय	**2517.82**	**89.04**	**2760.46**	**41.99**	**242.64**	**-47.05**
4–	राज्य सरकार के आन्तरिक ऋण	0.00	466.12		531.19	0.00	65.07
5–	केन्द्रीय सरकार से कर्ज तथा अग्रिम	0.00	29.04		38.03	0.00	8.99
	योगः– लोक ऋण	**0.00**	**495.16**	**0.00**	**569.22**	**0.00**	**74.06**
6–	कर्ज तथा उधार	237.08	25.80	396.57	10.55	159.49	-15.25
	योगः– पूँजी लेखा	**2754.90**	**610.00**	**3157.03**	**621.76**	**402.13**	**11.76**

वर्ष 2008–2009 के कुल व्यय का आय–व्ययक अनुमान रू0 12441.32 करोड़ का है, जिसमें पूंजीगत व्यय रू0 3778.79 करोड़ अनुमानित है। जो कुल व्यय का 30.37 प्रतिशत है जिसमें से रू0 200 करोड़ भारतीय रिजर्व बैंक से लिए गये अर्थोपाय के प्रतिदान से सम्बंधित है। यदि पूंजीगत व्यय में से अर्थोपाय के प्रतिदान की धनराशि को निकाल दिया जाये तो पूंजीगत व्यय का प्रतिशत मात्र 28.77 आता है। पूंजीगत लेखे की मुख्य मदों में सामान्य, सामाजिक, आर्थिक सेवाओं पर पूंजीगत परिव्यय के अतिरिक्त आंतरिक ऋणों का प्रतिदान है जिसमें निम्नांकित चार्ट द्वारा प्रदर्शित किया गया हैः–

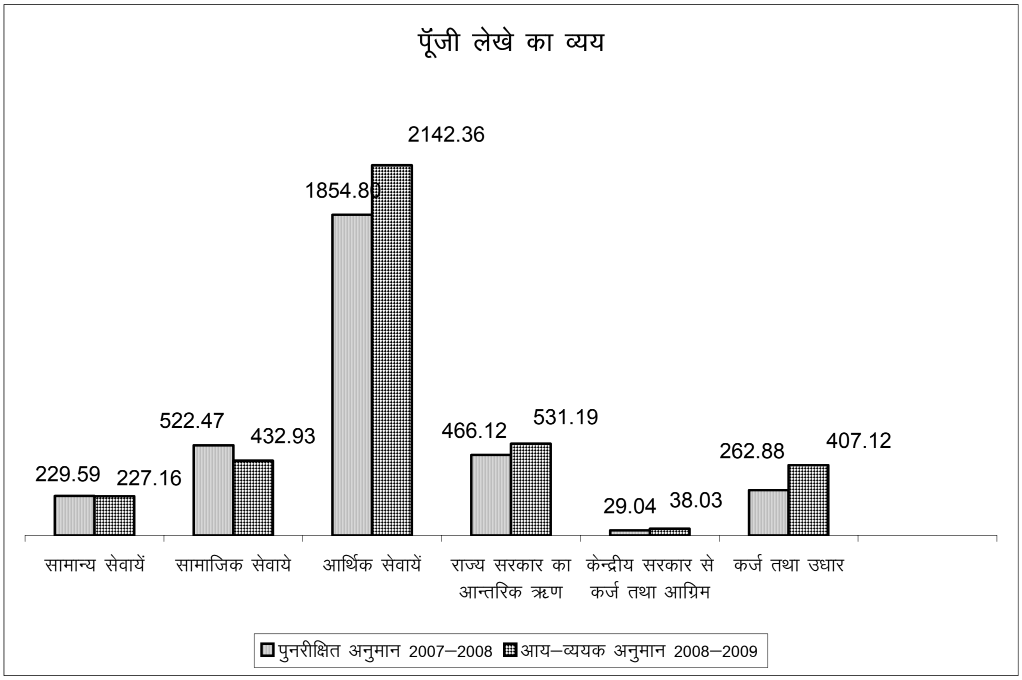

लोक लेखा

मुख्यतः लोक लेखा के अन्तर्गत लेन–देनों का सम्बन्ध राज्य सरकार द्वारा निर्मित ऋण शोधन निधियों तथा विभिन्न निकायों के निवेशों और अन्य निवेशों आदि के जिसके सम्बन्ध में राज्य सरकार ट्रस्टी एवं बैंकर के रूप में कार्य करती है। वित्तीय वर्ष 2008–2009 में लोक लेखे में कुल रू0 250. करोड की प्राप्ति अनुमानित है।

समस्त लेन देन का शुद्ध परिणाम

आय–व्ययक अनुमानों में वर्ष के समस्त लेन देनों का शुद्ध परिणाम रू0 –43.94 करोड़ अनुमानित है।